KHAN GLOBAL STUDIES

KHAN SIR

KHAN GLOBAL STUDIES

The Most Trusted Learning Platform

UPPSC – 2023

LIVE CLASSES

BY–AMARENDRA SRIVASTAV SIR

जैन धर्म (Jain Religion)

शेष भाग - - -

पार्श्वनाथ (Parshvanath)

→ 23वें तीर्थंकर (23rd Tirthankara)

→ S/o Ashvasena (अश्वसेन के पुत्र)
  ↳ King of Kashi (काशी के राजा)

→ Mother :- Vama (वामा)

→ Wife (पत्नी) :- Prabhavati (प्रभावती)

पार्श्वनाथ (Parshvanath)

- ज्ञान (Enlightenment)
  - कैवल्य (Kaivalya)
    - Samvet Peak / Sammet Peak.
      (संवेत / सम्मेत शिखर)
      - Jharkhand
        (झारखण्ड)

Mahavira Swami (महावीर स्वामी)

→ Birth :- (जन्म)
- → 540 B.C. ✓
- → 599 B.C.
- → Kundagram, Vaishali, Bihar (कुण्डग्राम, वैशाली, बिहार)

→ Childhood Name :- (बचपन का नाम)
- → Vardhman (वर्धमान)

→ Mother :- Trishala (त्रिशाला) → लिच्छवी के प्रमुख चेटक की बहन

→ Father :- Siddhartha (सिद्धार्थ) → ज्ञातृक वंश

→ wife :- Yashoda (यशोदा)

→ Daughter :- Priyadarshna / Anonja
(प्रियदर्शना या अणोज्या)

→ Son-in-law :- Jamali (जमाली)

→ Home Renunciation :- 30 year Age.
(गृह त्याग) (30 वर्ष की उम्र में)

→ Enlightenment / Kaivalya :-
(ज्ञान या कैवल्य)

- 42 year Age.
- जाम्भिक ग्राम ⇒ Bihar.
  (Jambhik Village)
- River (नदी) :- Rijupalika
  (ऋजुपालिका)
- Tree :- Sal (साल)
  (वृक्ष)

* ज्ञान प्राप्ति के बाद नाम :-
(Name After Enlightenment)

- जिन (Jin)
- अर्हत (Arhat)
- केवलिन (Kevalin)
- निर्ग्रन्थ (Nirgantha)
- निगण्ठ नाथ पुत्र (Nigantha Nath Putra)

बौद्ध ग्रंथों में

* 1st Sermon (प्रथम उपदेश) :- Vipulanchal Hills
(विपुलांचल पहाड़ी)
& Rajgir (राजगीर)

* प्रथम शिष्य :- जामाली (Jamali)

x प्रथम शिष्या) :- चंदना (Chandana)

जैन धर्म के 5 महाव्रत/सिद्धांत (5 Mahavarta of Jainism)

पार्श्वनाथ जी द्वारा दिया गया।

1. सत्य (Truth) : → सदैव सत्य बोलना
2. अहिंसा (Non-Violence) : → हिंसा नही करना
3. अस्तेय (Asteya) : → चोरी नही करना (Do not steal)
4. अपरिग्रह (Aparigraha) : → सम्पत्ति अर्जित नही करना (Donot collect Property)
5. ब्रह्मचर्य (celibacy) : → ब्रह्मचर्य का (भिक्षुओं हेतु) पालन करना

महावीर स्वामी जी द्वारा दिया गया।

जैन धर्म के त्रिरत्न (Three James of Jainism)

- सम्यक् दर्शन (Right Philosophy)
  " Faith
- सम्यक् ज्ञान (Right Knowledge)
- सम्यक् आचरण (Right Action or conduct)
  " conduct

जैन धर्मानुसार यह संसार का निर्माण

According to Jainism, the creation of this world –

6 द्रव्यों (Substances)

- जीव (creatures)
- पुद्गल (भौतिक तत्व)(Pudgal (physical element)
- धर्म (Religion)
- अधर्म (unrighteousness)
- आकाश(Sky)
- काल (Period)

जैन धर्म से निम्नलिखित सम्बंधित हैं-

- The following are related to Jainism)
- आस्रव - कर्म का जीवन की ओर प्रवाह
- Asrava – flow of karma towards life
- संवर- जब कर्म का प्रवाह जीव की ओर रुक जाना
- Samvara- When the flow of karma towards the living being stops

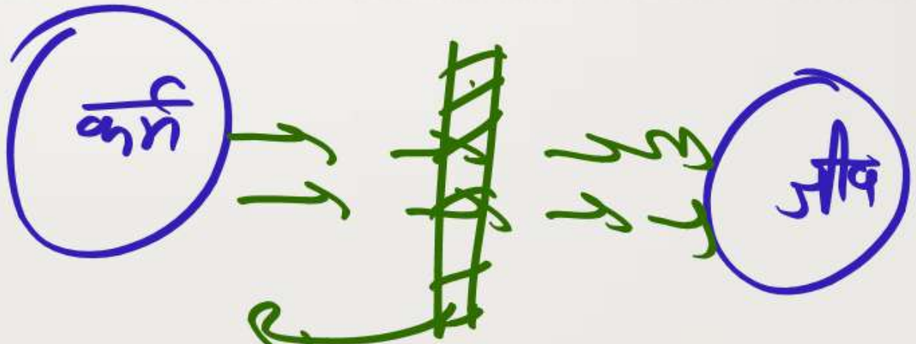

- निर्जरा - अवशिष्ट कर्म का जल जाना या पहले से विद्यमान कर्मों का क्षय हो जाना
- Nirjara – burning of residual karma or decay of pre-existing karma
- बन्धन - कर्म का जीव के साथ संयुक्त हो जाना
- Bondage-union of karma with the soul

जैन धर्म में अनेक प्रकार के ज्ञान (Many types of knowledge in Jainism)

- मति - इन्द्रिय-जनित ज्ञान
- Mati – sense-generated knowledge
- श्रुति - श्रवण ज्ञान
- Shruti - auditory knowledge
- अवधि - दिव्य ज्ञान
- Duration - Divine Knowledge

- मनः पर्याय - अन्य व्यक्तियों के मन मस्तिष्क का ज्ञान।
- Synonym of Mind - Knowledge of the mind and brain of other people.
- कैवल्य - पूर्ण ज्ञान (निर्ग्रन्थ एवं जितेन्द्रियों को प्राप्त होने वाला ज्ञान)
- Kaivalya - Complete knowledge (knowledge obtained without scriptures and through the senses)

जैन धर्मानुसार ज्ञान के तीन स्रोत (Three sources of knowledge according to Jainism)

(1)प्रत्यक्ष (Direct)

(2) अनुमान (Idea)

(3) तीर्थंकरों के वचन (words of Tirthankaras)